मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 21 जनवरी 2020

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	22/01/20	23/01/20	24/01/20	25/01/20	26/01/20
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	25	25	24	24	25
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	11	10	9	10	10
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	0	2	3	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	60	65	69	66	64
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	22	28	20	16	16
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	8	8	6	2	3
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पूर्व	दक्षिण	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
गेहूं		गेहूं की फसल में बालियां आना शुरू होने पर बुवाई के 70 दिन बाद सिंचाई करें।
चना		चने में फली छेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु इण्डोक्साकार्ब 14.5 एस.सी. 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
मैथी		मैथी की फसल में तुलासिता रोग (डाउनी मिल्ड्यू) का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर में मिलाकर छिडकाव करें।
जीरा		जीरा की फसल में माहू कीट के आक्रमण से फसल में काफी नुकसान होता है। अतः नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या ऐसीफेट 75 एस.पी. 750 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
लहसुन		लहसुन में तुलासिता रोग (डाउनी मिल्ड्यू) का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु फसल पर जाईनेब या मैन्कोजेब 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
बैंगन		बैंगन की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए नर्सरी तैयार करें। आजाद बी–1, बी.आर–112, पूसा भैरव, पूसा अनुपम, पूसा हाइब्रिड–5, पंजाब बहार

		उन्नत किस्मों की बुवाई करें। एक हैक्टेयर खेत में रोपाई के लिए 350–500 ग्राम बीज प्रयाप्त है। नर्सरी में बुवाई से पूर्व 2 ग्राम केप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।

(नौडल ऑफीसर)